530

GENERAL STUDIES (Test–24)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

GSM (M-I)-2424

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Gaurav Chhimwal

Medium (English/Hindi): Hindi

Center & Date: 7 - Sept 2024

Mobile Number: _____

Reg. Number: _____

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 8500880

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. (a) अन्वेषण कीजिये कि अनुनय किस प्रकार जनमत को प्रभावित करता है और सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करता है। (150 शब्द) 10

Explore how persuasion impacts public opinion and fosters social change. (150 Words) 10

अनुनय एक विशेष प्रकार का संप्रेषण पर आधारित है जिसका प्रयोग व्यक्ति अथवा समाज की अभिवृत्ति को वांछित दिशा में परिवर्तित करने के लिए किया जाता है।

उदा→ स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान इत्यादि।

अनुनय के तत्व

- कौन (प्रेषक) → प्रभावशाली व्यक्ति
- क्या → संदेश की अंतर्वस्तु विश्वसनीय
- कैसे → प्रभावी रूप से संप्रेषण + दोतरफा संचार
- किसको → लक्षित श्रोता

अनुनय का जनमत तथा सामाजिक परिवर्तन को गति देने में भूमिका

(i) सकारात्मक अभिवृत्ति का परिहार

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उदा० → बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
लड़कियों का नामांकन अनुपात बढ़ा
(2) संकट की स्थिति में धैर्य की अपील,
उदा० → एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कोरोना के दौर में स्वयं टी.वी. पर आकर वैक्सीन के फायदे बताए।
(3) खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में जागरूकता।
उदा० → रोनाल्डो ने प्रेस कांफ्रेस के दौरान कोका कोला की बोतल हटाई।
(4) स्वच्छता के प्रति जागरूकता,
उदा० - PM द्वारा स्वयं झाड़ू लगाना
(5) वंचित वर्गों का समावेशन तथा विकास
उदा० - गांधीजी की हरिजन यात्रा,

इस तरह यह स्पष्ट है कि पर्सुएशन एक प्रभावी तरीका है जो व्यापक पैमाने पर जनमत को प्रभावित कर सकता है।

(b) प्रासंगिक उदाहरणों का उपयोग करते हुए शुचिता और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। शासन में शुचिता सुनिश्चित करने के उपाय संबंधी सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the difference between probity and integrity, using relevant examples. Suggest measures to ensure probity in governance. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सत्यनिष्ठा का तात्पर्य है, उच्च नैतिक सिद्धांतों का अनुपालन। मनसा, वाचा, कर्मणा से एकनिष्ठ और नैतिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध होना।

शुचिता का तात्पर्य है, उच्चतम व्यवसायिक सिद्धांतों के अनुरूप आचरण। इसे व्यवसायिक सत्यनिष्ठा भी कहा जाता है।

शुचिता	सत्यनिष्ठा
(1) अपेक्षाकृत सीमित मूल्य	(1) व्यापक मूल्य
(2) यह सत्यनिष्ठा के एक पक्ष तक सीमित	(2) यह स्वयं में शुचिता को भी धारण करता है।
(3) उदाहरण → ∪ संगायम अपनी संपत्ति सार्वजनिक करने वाले पहले IAS	(3) उदाहरण → यदि पुलिस नहीं है तब भी दैनिक नियमों का पालन करना

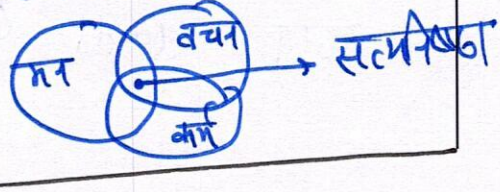

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शासन में शुचिता सुनिश्चित करने के उपाय

(1) कर्मचारियों का नैतिक प्रशिक्षण।

(2) 'कोड ऑफ कंडक्ट' तथा 'कोड ऑफ एथिक्स' का अनुपालन सुनिश्चित करना।

(3) तकनीक का प्रभावी उपयोग
- CCTV
- e Gov के हस्तक्षेप।

(4) RTI, नागरिक चार्टर, सेवोत्तम मॉडल का प्रभावी क्रियान्वयन

(5) भ्रष्टाचार निवारण अधि० 1988 का कठोर क्रियान्वयन।

(6) सिविल सेवाओं में निष्पक्षता, पारदर्शिता और तत्परता जैसे मूल्यों का विकास।

इन हस्तक्षेपों से शासन में शुचिता को सुनिश्चित कर सर्वोदय के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) प्रयुक्त साधन साध्य को आकार प्रदान देते हैं, इसलिये साध्य, साधनों को उचित नहीं ठहरा सकते। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The means used shape the outcome, so the ends cannot justify the means. Discuss with examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रस्तुत कथन साध्य की बजाय साधनों को महत्व देते हुए उसकी पवित्रता को स्थापित करता है।

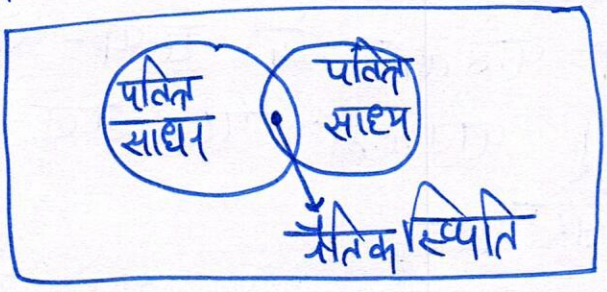

(1) यदि साध्य ही [illegible] साधनों को उचित ठहराने लगे तो शासन में तानाशाही की प्रवृति उभर सकती है।

उदा० → कोरोना के दौर में रणदीप सुरजेवाला IAS द्वारा लड़के को थप्पड़ मारने की घटना → लाकडाउन क्रियान्वित करने हेतु

(2) साध्यों के अनुसार नैतिकता निर्धारित करने से जनता के अधिकार सीमित हो सकते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

(3) साध्यों पर बल देने से, साधनों के अनैतिक होने पर
अल्पसंख्यक वर्ग पर अनैतिकता, अत्याचार इत्यादि।

इसलिए बेहतर स्थिति यह है कि साध्यों की पवित्रता के साथ-साथ साधनों की पवित्रता पर बल दिया जाये जिससे —

(1) सरकार, समाज लोकतांत्रिक मूल्यों से संचालित होंगे,
(2) अल्पसंख्यकों की सुरक्षा।
(3) नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण
(4) एक स्वस्थ तथा मूल्यवर्धित समाज जन्म लेगा जहाँ हिंसा, कठोरता इत्यादि नहीं होगी।

सारतः यह कहा जा सकता है साध्य, साधनों को उचित नहीं ठहरा सकते। साधनों का उचित होना एक अनिवार्यता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) लोक प्रशासन में सूचना को रोकने के नीतिशास्त्रीय प्रतिफलन का परीक्षण कीजिये। यह भी स्पष्ट कीजिये कि सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता किस प्रकार उत्तरदायित्व को संवर्द्धित कर सकती है। (150 शब्द) 10

Examine the ethical considerations of withholding information in public administration. Also explain how transparency in government institutions can enhance accountability. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सूचना को थॉमस जेफरसन ने लोकतंत्र की मुद्रा माना माना है। सूचना को रोकने से ~~नैतिकतः~~ लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होता है।

सूचना को रोकने के नीतिशास्त्रीय प्रतिफलन

(1) गोपनीयता की संस्कृति को बढ़ावा
 ↳ सरकारी विवेकाधिकार बढ़ते हैं।

(2) लालफीताशाही, लेट लतीफी को बढ़ावा,

(3) सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित नहीं हो पाती है।

(4) भ्रष्टाचार जैसी प्रवृत्तियां जन्म लेती हैं।

(5) नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन होता है।

(6) सरकारी सेवाओं की निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित नहीं हो पाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पारदर्शिता का तात्पर्य है, निर्णय, निर्णय लेने के मानदंड तथा निर्णय की प्रक्रिया इत्यादि से संबंधित सूचना सभी नागरिकों के लिए उपलब्ध होना,

पारदर्शिता का महत्व

RTI ← पारदर्शिता → सेवोत्तम मॉडल

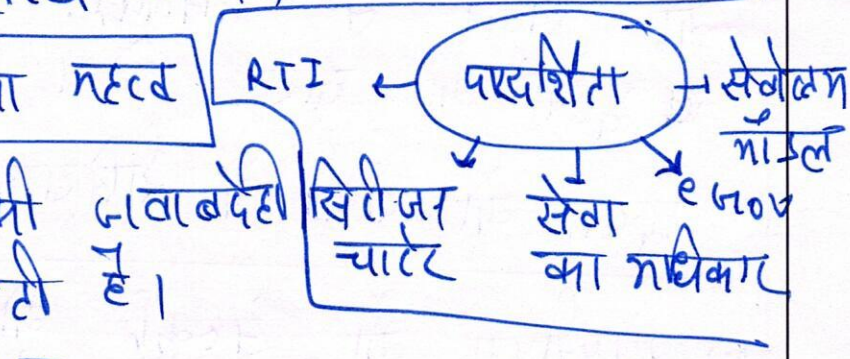

↓ सिटीजन चार्टर | ↓ सेवा का अधिकार | ↓ e-gov

(1) सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित होती है।
उदा० – RTI

(2) भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति समाप्त होती है।

(3) सेवा वितरण की गुणवत्ता बेहतर होती है।

(4) सहभागी लोकतंत्र तथा नागरिकों का सशक्तिकरण सुनिश्चित होता है।

(5) संसाधनों का दक्ष उपयोग, सर्वोदय, अंत्योदय।

इस प्रकार स्पष्ट है कि पारदर्शिता का मूल्य प्रशासन में उत्तरदायित्व को संबोधित कर जनकल्याण को बढ़ावा देता है।

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण में से प्रत्येक आपको क्या संदेश देते हैं:

What does each of the following quotation convey to you in the present context:

(a) "समाज के लगभग हर क्षेत्र में नीतिशास्त्र से अधिक महत्त्वपूर्ण कुछ भी नहीं है"- हेनरी पॉलसन (150 शब्द) 10

"In just about every area of society, there's nothing more important than ethics"- Henry Paulson

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हेनरी पॉलसन का यह कथन नीतिशास्त्र के महत्व को प्रतिबिंबित करता है। नीतिशास्त्र का तात्पर्य है- आचरण तथा चरित्र का विज्ञान जो कि कर्तव्य तथा अकर्तव्य का बोध कराता है।

समाज के हर क्षेत्र में नीतिशास्त्र का महत्व -

व्यक्तिगत
- घरेलू संबंध बेहतर।
- आपसी सम्मान सुनिश्चित।
- मानसिक अवसाद इत्यादि नहीं,
- लैंगिक समता, बड़ों का सम्मान।

सार्वजनिक
- वंचित वर्गों का सशक्तिकरण
- व्यक्ति के सार्वजनिक संबंध बेहतर होते हैं,
- कुरीतियां सीमित होती हैं जैसे कि LGBTQ+ के खिलाफ अपराध।

समाज में व्यक्तिवादिता, चरम भौतिकतावाद में कमी आती है,

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राजनीतिक क्षेत्र → राजनीति का अपराधीकरण बढ़ता है।
→ सर्वोदय तथा अंत्योदय जैसे मूल्य।
→ जनकल्याण के मूल्य को सर्वोपरी।

आर्थिक क्षेत्र → संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण।
→ ट्रस्टीशिप सिद्धांत।
→ आय, प्रतिष्ठा तथा अवसर की समानता स्थापित होती है।

प्रशासनिक क्षेत्र → प्रशासन जनोन्मुखी होता है।
→ भ्रष्टाचार में कमी।
→ वंचित वर्गों का कल्याण

समग्रतः समाज के अस्तित्व, समाज के सफल संचालन तथा समाज के विकास के लिए नीतिशास्त्र महत्वपूर्ण है।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) "प्रेम मात्र एक आवेग नहीं है, इसमें सत्य भी होना चाहिये, जो कि धर्म है।" - रवींद्रनाथ टैगोर

(150 शब्द) 10

"Love is not a mere impulse, it must contain truth, which is law."- Rabindra Nath Tagore.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

टैगोर जी का यह कथन प्रेम की वस्तुनिष्ठ व्याख्या का प्रयास करता है।

प्रेम आवेग क्यों नहीं है?

(1) आवेग क्षणिक होता है।
(2) आवेग में वासना भी हो सकती है।
(3) यह आवेग के रूप में समाज को 'परम शुभ' की ओर नहीं ले जा सकता है।

प्रेम में सत्य तथा धर्म होने के तात्पर्य

(1) यदि प्रेम में सत्य तथा धर्म होंगे तो यह अधिक जनोन्मुखी होगा,
(2) वंचित वर्गों के प्रति व्यक्त हो पायेगा,
(3) घरेलू हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध इत्यादि में कमी लाने का सामर्थ्य भी रखता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान महत्व -

(1) प्रेम का यह व्यापक मूल्य सांप्रदायिकता की समाप्ति तथा सर्व धर्म समभाव को सुनिश्चित करता।

(2) वंचित वर्गों जैसे - LGBTQ+, दिव्यांग, महिलाओं के प्रति समानुभूति का विकास।

(3) प्रेम का यह मूल्य प्रशासन को भी जनोन्मुखी तथा कल्याणकारी बनाता है।

(4) समग्रत: यह विश्व बंधुत्व की भी बात करता है।

इस तरह यह स्पष्ट है कि प्रेम एक आवेग नहीं है, यह सत्य तथा धर्म को भी स्वयं में शामिल करता है।

(c) "हर महान आस्था और परंपरा में सहिष्णुता एवं परस्पर बोध के मूल्य देखे जा सकते हैं" - कोफी अन्नान (150 शब्द) 10

"In every great faith and tradition one can find the values of tolerance and mutual understanding"- Kofi Annan (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कोफी अन्नान का यह कथन सहिष्णुता तथा परस्पर बोध जैसे मूल्यों के परंपरा में होने तथा वर्तमान उनकी आवश्यकता को दर्शाता है।

सहिष्णुता तथा परस्पर बोध का तात्पर्य है स्वयं से अलग जाति, धर्म, नस्ल, विचार, राष्ट्रीयता रखने वाले व्यक्ति के प्रति अनुमोदक रवैया तथा उसकी स्थिति को समझने की क्षमता।

सहिष्णुता तथा परस्पर बोध
- खुलापन
- विचारों की स्वतंत्रता
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- करुणा + समानुभूति जैसे मूल्य।

महत्व →

(1) भारतीय परंपरा में अशोक के धम्म तथा अकबर के सुलह कुल के

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रूप में सहिष्णुता के मूल्य देखे जा सकते हैं।

(2) जैन दर्शन में स्यादवाद तथा एकांतवाद की उपस्थिति।

(3) ईसाई धर्म में करुणा का मूल्य।

(4) भारतीय दर्शन में 'एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे मूल्य।

प्रासंगिकता

- सर्व धर्म समभाव - सांप्रदायिकता ①
- युद्ध विराम, संघर्षों में कमी।
- शांति, स्थिरता तथा सहयोग को बढ़ावा।
- वंचित वर्गों का मुख्य धारा में समावेशन इत्यादि।

अतः स्पष्ट है कि सहिष्णुता तथा परस्पर बोध जैसे मूल्य वर्तमान समाज को भी दिशा दिखाते हैं।

4. (a) अंतर्राष्ट्रीय उपादान कम विकसित देशों की सहायता करने का एक मान्यता प्राप्त तरीका है, जिससे इसके अनुप्रयोग में नीतिशास्त्र की भूमिका का परीक्षण करना महत्त्वपूर्ण हो जाता है। उपयुक्त उदाहरणों से अपने उत्तर को संपुष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

International aid is a recognized method of assisting less developed nations, making it crucial to examine the role of ethics in its application. Support your answer with suitable examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अंतराष्ट्रीय उपादानों का तात्पर्य है विकसित देशों, बहुराष्ट्रीय संस्थानों द्वारा विकासशील तथा अल्पविकसित राष्ट्रों को प्रदान की जाने वाली सहायता।

महत्व
- उ० - दक्षिण सहयोग पर बल।
- जलवायु परिवर्तन का समाधान
  उदा० LDD फंड
- कठिन समय में एकजुटता
  उदा० - Covax कार्यक्रम
- विकासशील देशों को तकनीकी तथा अन्य सहायता प्राप्त होती है।
- समग्रतः अल्पविकसित तथा विकासशील देशों की क्षमता निर्माण होती है।

हालिया चिंताएँ

(1) संप्रभुता पर आक्रमण।
उदा० 1991 का BOP संकट + भारत पर IMF की शर्तें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) चीन की ऋण जाल कूटनीति।

(3) विकसित देशों द्वारा NGO की फंडिंग करके उनका प्रयोग एक उपकरण के रूप में स्वयं के हितों के लिए करना।
उदा० - ग्रीनपीस द्वारा भारत के परमाणवीय कार्यक्रम का विरोध।

(4) अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का अलोकतांत्रिकरण होना।
उदा० WB तथा IMF में यूरोपीय देशों तथा USA का हस्तक्षेप।

सारतः यह कहा जा सकता है अंतरराष्ट्रीय उपायों का नैतिकता से संचालन अनिवार्य है तभी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा फलीभूत होगी।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) कार्यस्थल में प्रमुख नीतिशास्त्रीय चुनौतियाँ क्या हैं? नीतिपरक आचरण संगठनात्मक संस्कृति और कर्मचारी के मनोबल को कैसे प्रभावित करता है? संगठन के भीतर नीतिशास्त्र की संस्कृति को संवद्धित करने हेतु कार्यनीतियों के सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What are the key ethical challenges in the workplace? How does ethical conduct influence organizational culture and employee morale? Suggest strategies to foster a culture of ethics within an organization. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कार्यस्थल पर नीतिशास्त्र का तात्पर्य है- कार्यस्थल पर उच्च नैतिक सिद्धांतों का पालन करना।

कार्यस्थल पर नीतिशास्त्र → अनुशासन, जवाबदेहिता, वरिष्ठों का सम्मान, सदाचार, खुलापन, पारदर्शिता।

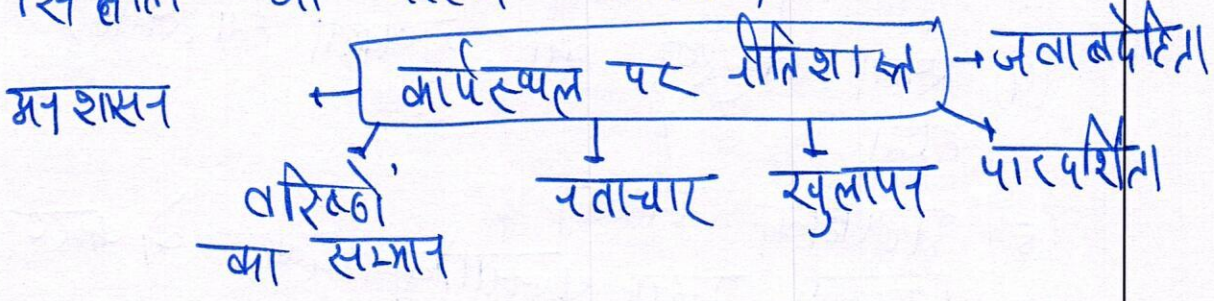

चुनौतियाँ

(1) पदसोपान पर अधिक बल दिया जाना।
(2) विविधता का सम्मान न होना।
(3) लैंगिक शोषण की समस्याएँ
(4) सदाचारिता का न होना।
(5) कनिष्ठों के प्रति वरिष्ठ अधिकारियों का बुरा व्यवहार।
(6) अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार की समस्या।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मनोबल पर प्रभाव

(1) पश्चास्थितिवादिता को बढ़ावा देता है।

(2) चलता है, संस्कृति का निर्माण

(3) कनिष्ठों तथा महिला कर्मचारियों में मानसिक अवसाद।

(4) सेवा वितरण की गुणवत्ता हतोत्साहित होती है।

(5) अत्यधिक तनाव।

उदा० - उच्च राजनीतिक दबाव के कारण।

सुझाव

(1) कोड ऑफ कंडक्ट, तथा नैतिक संहिता का पालन,

(2) कार्य संस्कृति को बेहतर बनाने हेतु, कर्मचारियों का प्रशिक्षण।

(3) तकनीक का व्यापक प्रयोग

(4) कानूनों जैसे कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण अधि 2013 का अनुपालन।

उक्त हस्तक्षेपों से ~~कार्य स्थल~~ को अधिक दक्ष बनाया जा सकता है।

5. (a) वैक्सीन कूटनीति से आप क्या समझते हैं? वैश्विक महामारी के दौरान अन्य देशों के साथ वैक्सीन साझा करने के बजाय घरेलू वैक्सीन वितरण को प्राथमिकता देने के किसी देश के निर्णय में निहित नीतिपरक प्रतिफलन का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by vaccine diplomacy? Analyze the ethical considerations in a country's decision to prioritize domestic vaccine distribution over sharing vaccines with other nations during the global pandemic. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैक्सीन कूटनीति का तात्पर्य है वैक्सीन को साधन बनाते हुए अपनी विदेश नीति के हितों को प्राप्त करने की कोशिश करना।

उदा० - भारत द्वारा चलाया गया वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम।

घरेलू वैक्सीन वितरण को प्राथमिकता देने के नीतिपरक प्रतिफलन -

(1) स्वार्थ का प्रतिफलन।

(2) 'पर' की बजाय 'स्व' केंद्रित होना।

(3) नैतिक परोपकारता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मूल्यों का क्षरण।

(4) वैश्विक क्षति का खतरा होना, इत्यादि।

drishti | दृष्टि The Vision

जबकि भारत ने विश्व बंधुत्व का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए महामारी के दौर में वैक्सीन के सहयोग को बढ़ावा दिया।

भारत द्वारा प्रस्तुत किये गये मूल्य

- विश्व बंधुता
- उ० द० सहयोग, दक्षिण - दक्षिण सहयोग।
- अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता।
- वसुधैव कुटुम्बकम, इत्यादि।

सार यह है कि चरम संकट के समय में भी देशों को अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को निभाने की कोशिश करनी चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(b) आदि शंकराचार्य की प्रमुख शिक्षाएँ क्या थीं? स्पष्ट कीजिये कि वर्तमान सामाजिक और नीतिपरक चुनौतियों से निपटने में वे किस प्रकार प्रासंगिक हैं। (150 शब्द) 10

What were the major teachings of Adi Shankaracharya? Explain how they are relevant in tackling current social and ethical challenges. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शंकराचार्य, को हिंदू धर्मोद्धारक भी कहा जाता है, उन्होंने अद्वैत वेदांत का प्रतिपादन तथा भारत की सांस्कृतिक एकता को स्थापित करने का भगीरथ कार्य किया।

शिक्षाएँ

- ब्रह्म सत्यं जगत मिथ्या जीव ब्रह्मैव नापरः।
- भारत की सांस्कृतिक एकता पर बल। उदा० — चारों मठों की स्थापित करना।
- ज्ञान प्राप्ति को मोक्ष का मार्ग मानना।
- धर्म के क्षेत्र में वर्णव्यवस्था का नकारना
- आडंबर इत्यादि की मनाही।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में महत्व

- अलगाववाद, क्षेत्रवाद को रोकने में सहायक
- ज्ञान प्राप्ति भी व्यक्तित्व विकास को संबोधित करता है।
- जातिगत समानता पर बल देना
- संस्कृत भाषा का संरक्षण।

सारतः यह कहा जा सकता है कि शंकराचार्य की शिक्षाएं वर्तमान में भी प्रासंगिक है।

6. (a) सेबी प्रमुख के विरुद्ध हाल ही में लगाए गए आरोपों ने भारत में कॉर्पोरेट नीतिशास्त्र के विषय में चिंताओं को प्रकट किया है। इन संस्थाओं में नैतिक मानकों और विश्वास को संपुष्ट करने में नियामक निकायों की भूमिका पर चर्चा कीजिये।

(150 शब्द) 10

'Recent allegations against the SEBI Chief have highlighted concerns about corporate ethics in India. Discuss the role of regulatory bodies in upholding ethical standards and trust in these institutions.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सेबी की स्थापना वर्ष 1987 में की गई जिसे 1992 में सांविधिक दर्जा दिया गया।

हालिया आरोप → कुछ कंपनियों के प्रति पक्षपात करना
→ नियुक्ति में राजनीतिकरण।
→

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) प्लेटो के 'रिपब्लिक' ने न्याय के अध्ययन को व्यक्तियों के सद्गुण और संस्थाओं के सद्गुण के रूप में दो भागों में विभाजित किया है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Plato's Republic divided the study of justice in two, as a virtue of people and of institutions. Comment. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. नई दिल्ली के एक प्रमुख कोचिंग संस्थान एपेक्स ट्यूटोरियल्स ने दावा किया कि उसके 300 छात्र संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE) 2023 में चयनित हुए हैं। विज्ञापन में 85% सफलता दर का दावा किया गया, जहाँ संस्थान को 'भारत का अग्रणी जेईई कोचिंग संस्थान' बताया गया।

यद्यपि विद्यार्थियों और प्रतियोगियों की शिकायतों के बाद केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) द्वारा इसकी जाँच शुरू की गई। जाँच में पता चला कि 300 सफल उम्मीदवारों में से केवल 220 को ही संस्थान से संबद्ध होने के रूप में सत्यापित किया जा सका। इनमें से अधिकांश छात्रों ने विज्ञापनों में सुझाए गए पूर्णकालिक, सशुल्क कोचिंग कार्यक्रमों के बजाय निशुल्क कार्यशालाओं में भाग लिया था या मॉक परीक्षाओं में भागीदारी की थी।

CCPA ने पाया कि एपेक्स ट्यूटोरियल्स ने जानबूझकर सफल छात्रों द्वारा भाग लिये गए पाठ्यक्रमों की प्रकृति के बारे में महत्त्वपूर्ण विवरण का विलोपन कर दिया था। इस विलोपन ने संभावित छात्रों को यह विश्वास दिलाने हेतु भ्रमित किया कि पूर्णकालिक, सशुल्क पाठ्यक्रम ही इन उम्मीदवारों की सफलता का मुख्य कारण थे।

CCPA ने एपेक्स ट्यूटोरियल्स पर 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया और आदेश दिया कि वे एक सुधारात्मक विज्ञापन जारी करें, जिसमें सफल उम्मीदवारों द्वारा भागीदारी किये गए कार्यक्रमों की वास्तविक प्रकृति का स्पष्ट रूप से खुलासा किया जाए। इसके अतिरिक्त, संस्थान को नैतिक विज्ञापन संहिता लागू करने की सलाह दी गई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य के सभी दावे पारदर्शी और पूरी तरह से प्रमाणित हों।

एपेक्स ट्यूटोरियल्स ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी, अधिक नैतिक विज्ञापन अभ्यासों के लिये प्रतिबद्धता जताई और अपनी विपणन कार्यनीतियों की आंतरिक समीक्षा शुरू की। संस्थान ने भविष्य में किसी भी शिकायत का त्वरित समाधान करने के लिये एक उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली भी स्थापित की।

(a) एपेक्स ट्यूटोरियल्स के विज्ञापनों में महत्त्वपूर्ण सूचना का विलोपन किस प्रकार नीतिपरक चिंताएँ उत्पन्न करता है?

(b) CCPA जैसी नियामक संस्थाएँ किस प्रकार यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि शैक्षिक विज्ञापन न केवल विधिक रूप से अनुपालन योग्य हों, बल्कि नैतिक रूप से भी सही हों?

(c) विश्वास को पुनः स्थापित करने और भविष्य के विज्ञापन प्रयासों में नीतिपरक अभ्यासों को सुनिश्चित करने के लिये एपेक्स ट्यूटोरियल्स को क्या कदम उठाने चाहिये? (250 शब्द) 20

Apex Tutorials, a prominent coaching institute in New Delhi, claimed that 300 of its students were selected in the Joint Entrance Examination (JEE) 2023. The advertisement boasted an 85% success rate, branding the institute as "India's Leading JEE Coaching Institute."

However, an investigation by the Central Consumer Protection Authority (CCPA) was launched after complaints from students and competitors. The investigation revealed that out of the 300 claimed successful candidates, only 220 could be verified as having been associated with the institute. Most of these students had attended free workshops or participated in mock exams rather than the full-time, paid coaching programs that the advertisements suggested.

The CCPA found that Apex Tutorials had intentionally omitted important details regarding the nature of the courses that the successful students had attended. This omission misled potential students into believing that the full-time, paid courses were the primary reason for the success of these candidates.

The CCPA imposed a fine of ₹3 lakh on Apex Tutorials and mandated that they issue a corrective advertisement, clearly disclosing the actual nature of the programs attended by the successful candidates. Additionally, the institute was advised to implement a code of ethical advertising, ensuring that all future claims are transparent and fully substantiated.

Apex Tutorials issued a public apology, committed to more ethical advertising practices, and initiated an internal review of its marketing strategies. The institute also established a consumer grievance redressal system to address any future complaints promptly.

(a) How does the omission of key information in Apex Tutorials' advertisements raise ethical concerns?

(b) How can regulatory bodies like the CCPA ensure that educational advertisements are not only legally compliant but also ethically sound?

(c) What steps should Apex Tutorials take to rebuild trust and ensure ethical practices in future advertising efforts? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रस्तुत प्रकरण वर्तमान उपभोक्तावाद बाजारवाद के दौर में शिक्षा के व्यवसायीकरण तथा भ्रामक विज्ञापनों से उत्पन्न समस्या से संबंधित है।

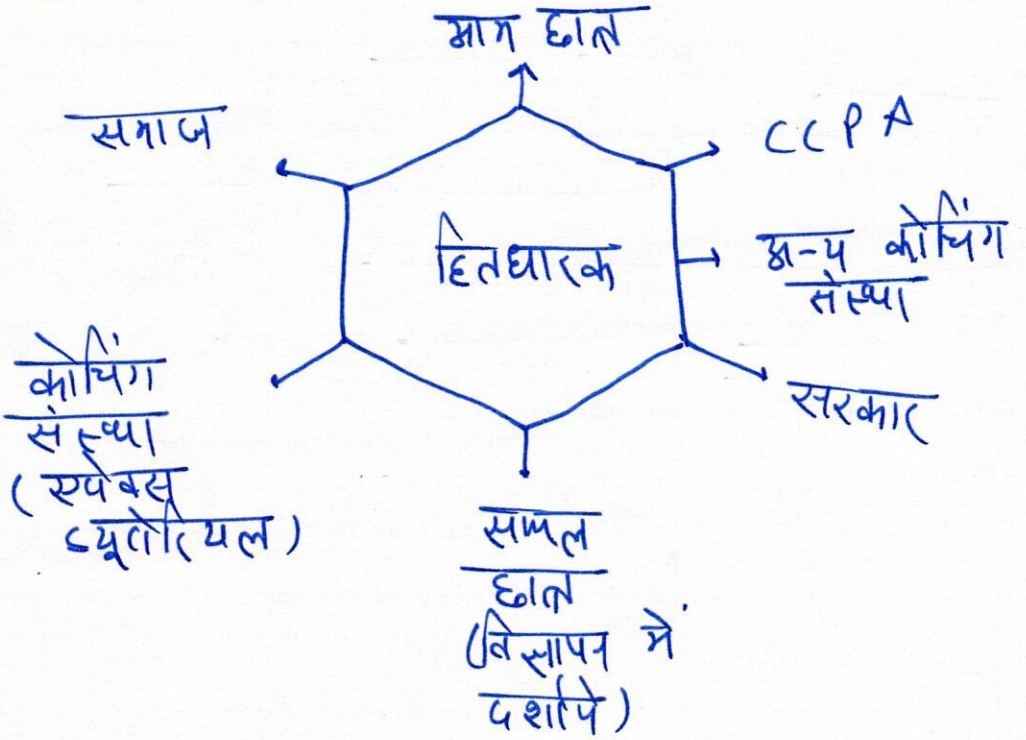

(a) विज्ञापनों में महत्वपूर्ण सूचना का विलोपन से उत्पन्न नीतिपरक चिंताएँ –

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(1) निर्णयों में जनकल्याण का पक्ष न होना।

(2) सामान्य छात्रों पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव ↳ आर्थिक ↳ मनोवैज्ञानिक

(3) प्रतिस्पर्धा को अंधा कर देता है।

(4) समाज में भ्रम, असत्य दावों का प्रचार।

(5) संस्थान का नैतिक पतन
↳ दयालु पूंजीवाद न होना
↳ व्यवसायिक नैतिकता नहीं।

(6) पारदर्शिता के मूल्य का विलोपन

(b) CCPA जैसी नियामक संस्थाओं की भूमिका-

(1) ~~नियामक~~ CCPA का गठन, उपभोक्ता अधि० संरक्षण अधि० 2019 के तहत किया गया है। यह उपभोक्ता संरक्षण हेतु कार्य करने वाली एक शीर्ष संस्था है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूमिका -

(1) विज्ञापनों के संदर्भ में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करना।
  ↳ वास्तविक सूचनाओं का अंकन प्रमाण दिखाना, इत्यादि।
(2) संस्थान इन नियमों का पालन तथा अन्य कानूनों का अनुपालन कर रहे हैं या नहीं इसका निरीक्षण करना।
(3) अनुपालन नहीं होने की स्थिति में कठोर दंड तथा अन्य कार्यवाही करना।
(4) उपभोक्ता अधिकारों के संदर्भ में जागरूकता का आयोजन।
(5) उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान तथा इस संदर्भ में अनुक्रियाशीलता।

इस प्रकार CCPA यह सुनिश्चित कर सकती है कि शैक्षिक विज्ञापन विधिक व नैतिक रूप से सही हो।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) एपेक्स ट्यूटोरियल्स द्वारा उठाये जाने वाले भावी कदमों की रूपरेखा -

(1) सार्वजनिक तौर पर अपने गलत व भ्रामक काम के लिए माफीनामा घोषित करना।

(2) माफीनामे में यह भी घोषित करना कि आगे पूरी तरह नैतिक सिद्धांतों, उपभोक्ता अधिकारों के प्रति प्रतिबद्ध रहा जायेगा।

(3) अपनी सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाना।

(4) आगे आने वाले परीक्षा परिणामों का सटीक तथा तथ्य परक रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

(5) व्यावसायिक नैतिकता, व्यवसायिक दक्षता, नैतिक परोपकारिता जैसे मूल्यों का आत्मसात करना।

(6) अपनी छवि में सुधार हेतु नैतिकता से संचालित होकर मुफ्त कोचिंग की संकल्पना भी सीमित रूप से लागू की जा सकती है।

सार यह है कि व्यवसायिक नैतिकता ही वह मूल्य है जो कारपोरेट क्षेत्र में स्थिरता प्रदान कर सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

8. सोनिया पटेल विगत् पाँच वर्षों से पर्यावरण मंत्रालय में लोक सूचना अधिकारी (PIO) के पद पर कार्यरत हैं। उनकी कार्य भूमिका में सूचना के अधिकार (RTI) अधिनियम के तहत सूचना अनुरोधों का प्रबंधन करना और मंत्रालय के भीतर पारदर्शिता सुनिश्चित करना शामिल है।

हाल ही में सोनिया को एक प्रमुख पर्यावरण कार्यकर्ता संगठन से RTI आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें मंत्रालय द्वारा हाल ही में आयोजित पर्यावरण प्रभाव आकलनों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। संबंधित रिपोर्टें एक बड़े पैमाने की औद्योगिक परियोजना से संबंधित हैं, जो महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक बहस एवं विवाद का विषय रही है।

सोनिया ने अनुरोधित रिपोर्टों की समीक्षा की और पाया कि आकलनों से कुछ संभावित नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों का संकेत मिलता है, जिन्हें परियोजना की पर्यावरणीय मंजूरी में पूरी तरह से संबोधित नहीं किया गया था। यदि यह सूचना प्रकट की जाती है तो परियोजना की प्रगति प्रभावित हो सकती है और गंभीर सार्वजनिक आक्रोश उत्पन्न हो सकता है, जिससे संभवत: मंत्रालय के लिये विधिक एवं राजनीतिक परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

सोनिया पारदर्शिता के महत्त्व और सूचना तक पहुँच के जनता के अधिकार को समझती हैं, परंतु उन्हें इस संवेदनशील सूचना को जारी करने के संभावित परिणामों के बारे में भी पता है। उन पर अपने वरिष्ठों की ओर से रिपोर्टों के कुछ विवरण छिपाने का दबाव है, जहाँ इसके संभावित विधिक एवं राजनीतिक परिणामों का हवाला दिया गया है। इसके अतिरिक्त, सोनिया जानती हैं कि इस सूचना के जारी होने से उनके करियर पर प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि इससे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनके संबंध खराब हो सकते हैं और उनकी भविष्य की संभावनाओं पर प्रभाव पड़ सकता है।

(a) संलग्न हितधारकों का उल्लेख कीजिये।
(b) सूचना जारी करने का निर्णय लेते समय सोनिया को किन प्रमुख नीतिपरक सिद्धांतों पर विचार करना चाहिये?
(c) सोनिया के पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? उनकी स्थिति को देखते हुए कौन-सा कदम उनके लिये सबसे उपयुक्त होगा? (250 शब्द) 20

Sonia Patel has been serving as the Public Information Officer (PIO) for the Ministry of Environment for the past five years. Her role involves handling requests for information under the Right to Information (RTI) Act and ensuring transparency within the ministry.

Recently, Sonia receives an RTI application from a prominent environmental activist organization requesting detailed reports on recent environmental impact assessments conducted by the ministry. The reports in question are related to a large-scale industrial project that has been a subject of significant public debate and controversy.

Sonia reviews the requested reports and notices that the assessments indicate some potential negative environmental impacts that were not fully addressed in the project's environmental clearance. This information, if disclosed, could impact the project's progress and generate significant public outcry, possibly leading to legal and political repercussions for the ministry.

While Sonia understands the importance of transparency and the public's right to access information, she is also aware of the potential consequences of releasing this sensitive information. She is under pressure from her superiors to withhold some of the details in the reports, citing concerns about potential legal and political fallout. Additionally, Sonia is aware that the release of this information could affect her career, as it may lead to strained relations with senior officials and impact her future prospects.

(a) Mention the stakeholders involved.
(b) What are the key ethical principles Sonia should consider when deciding whether to release the information?
(c) What are the courses of actions available to Sonia? Which action would be best suited to her, given her situation? (250 Words) 20

प्रस्तुत प्रकरण वर्तमान समय में सरकारी सेवाओं में उत्पन्न

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

होने वाली नैतिक प्रतिबाधाओं जैसे - व्यवसायिक नैतिकता बनाम वरिष्ठों का आदेश, निजी हित बनाम जनकल्याण इत्यादि से संबंधित है।

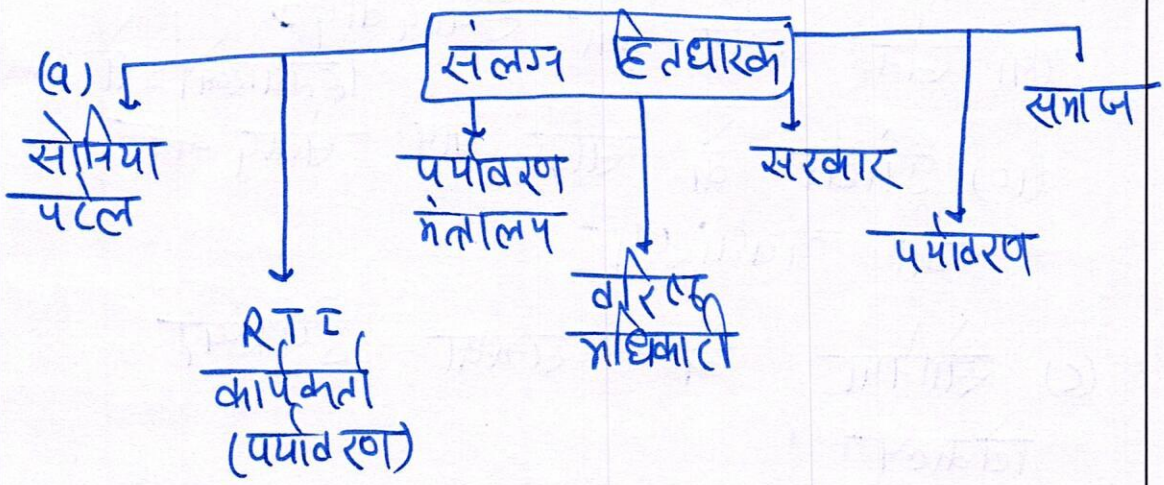

(b) सूचना जारी करने के समय सोनिया को निम्नलिखित नीतिपरक सिद्धांतों पर विचार करना चाहिए -

(1) सूचना के अधिकार अधि० की मूल भावना।
(2) अनु० 19 की मूल भावना।
(3) संवैधानिक नैतिकता
(4) अधिकतम लोगों का अधिकतम सुख
(5) कुशल कर्म (बौद्ध दर्शन)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(6) अस्तेय का सर्वमान्य रूप का सिद्धांत

(7) गीता का निष्काम कर्म।

(8) स्थितप्रज्ञ की अवधारणा।

(9) जैन दर्शन का स्याद्वाद हितधारकों से

(10) गांधी के सात पाप संवाद करना की अवधारणा

(c) सोनिया के समक्ष उपस्थित विकल्प

(1) सूचना प्रदान न करना।

(2) सूचना प्रदान करना।

(3) सेलेक्टिव सूचना प्रदान करना।

विकल्प (1) का मूल्यांकन

गुण	दोष
(1) परियोजना की प्रगति प्रकाशित नहीं होगी	(1) सूचना के अधिकार का उल्लंघन
(2) मंत्रालय के समक्ष विधिक परिणाम उपस्थित नहीं होंगे	(2) अकुशल कार्य
(3) सोनिया का चरित्र सुरक्षित।	(3) पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव।

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विकल्प (२) का मूल्यांकन

गुण

(1) पर्यावरण संरक्षण होगा
(2) सूचना के अधिकार की मूल भावना के सुसंगत
(3) प्रशासन की कमजोरियों को उजागर करेगा
(4) पारदर्शिता, जवाबदेहिता सुनिश्चित होगी।
(5) बौद्ध धर्म - कुशल कर्म

दोष

(1) सोनिया का करियर खतरे में।
(2) मंत्रालय की प्रतिष्ठा खतरे में।
(3) संभावित विधिक तथा राजनीतिक परिणाम सामने आ सकते हैं।
(4) परियोजना रुक जायेगी

विकल्प (3) का मूल्यांकन

गुण

(1) सूचना कार्यकर्ता संतुष्ट होंगे।
(2) यह स्थापित होगा कि सुनिता ने अपने कार्य का पालन किया है।
(3) मंत्रालय पर प्रश्न चिन्ह नहीं।
(4) करियर सुनिश्चित तथा सुरक्षित
(5) परियोजना रुकेगी नहीं।

दोष

(1) सूचना के अधिकार की भावना के अनुरूप नहीं,
(2) पर्यावरण संरक्षण नहीं होगा।

drishti | दृष्टि The Vision

सोनिया ~~की~~ के द्वारा उठाये जाने वाले भावी कदम

(1) सूचना प्रदान करना।
(2) वरिष्ठ अधिकारियों को इस तथ्य से अवगत कराना की उसने सूचना प्रदान की है।

तर्क → परियोजना के संदर्भ में साधन साध्य में दोनों की पवित्रता जरूरी,
→ यह सोनिया के पद के व्यवसायिक नैतिकता, दक्षता, नैतिक परोपकारवाद इत्यादि की दृष्टि से जरूरी है।
→ गीता के निष्काम कर्म के अनुरूप है।
→ यदि इसके कुछ व्यक्तिगत दुष्परिणाम उत्पन्न भी होते हैं तो सोनिया को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। क्योंकि जनकल्याण का मूल्य सर्वोपरी होना चाहिए,

इस तरह सोनिया संविधान, नैतिक विचारकों ~~से~~ प्रेरणा लेते हुए इस दुविधा का समाधान कर सकती है।

9. हेल्थइनोवेट इंक' नामक दवा कंपनी ने एक दुर्लभ एवं गंभीर चिकित्सा स्थिति के उपचार के लिये एक आशाजनक प्रयोगात्मक दवा विकसित की है। दवा ने शुरुआती नैदानिक परीक्षणों में उल्लेखनीय परिणाम प्रदर्शित किये हैं और कंपनी इसे बाज़ार में लाने के लिये नियामक अधिकारियों से मंज़ूरी मांग रही है।

यद्यपि, इस दवा को अभी तक सामान्य उपयोग के लिये मंज़ूरी नहीं मिली है और इसकी उपलब्धता फिलहाल कुछ ऐसे रोगियों तक ही सीमित है जो विशिष्ट मानदंडों को पूरा करते हैं। बड़ी संख्या में रोगियों और पैरोकार समूहों द्वारा दवा तक विस्तारित पहुँच की मांग की जा रही है, जहाँ उनका तर्क है कि इसके संभावित लाभ गैर-अनुमोदित उपचार के उपयोग से संबद्ध जोखिमों से कहीं अधिक हैं।

परिदृश्य और भी जटिल होता जा रहा है क्योंकि मीडिया कवरेज में उन रोगियों की कहानियों को उजागर किया जा रहा है जो इस बीमारी से पीड़ित हैं और मानते हैं कि प्रायोगिक दवा उनके जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला सकती है। कुछ रोगियों ने दवा के नैदानिक परीक्षणों से बाहर इसके दयापूर्ण उपयोग या विस्तारित पहुँच के लिये याचिका दायर की है।

हेल्थइनोवेट इंक इन अनुरोधों को संबोधित करने के विषय में नैतिक दुविधाओं का सामना कर रहा है। एक ओर, कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि व्यापक उपयोग से पहले दवा सुरक्षित और प्रभावी सिद्ध हो। दूसरी ओर, उन रोगियों के लिये पहुँच प्रदान करने का एक प्रबल नैतिक तर्क मौजूद है जिन्हें उपचार की सख्त आवश्यकता है।

(a) संलग्न नीतिपरक सिद्धांतों की चर्चा कीजिये।

(b) यह निर्धारित करने के लिये कौन-से मानदंड स्थापित किये जाने चाहिये कि किन रोगियों को प्रायोगिक उपचार तक पहुँच प्राप्त हो। पक्षपात या भेदभाव से बचने के लिये इन मानदंडों को नैतिक रूप से किस प्रकार कार्यान्वित किया जा सकता है? (250 शब्द) 20

A pharmaceutical company, "HealthInnovate Inc.," has developed a promising experimental drug intended to treat a rare and severe medical condition. The drug has shown remarkable results in early clinical trials, and the company is seeking approval from regulatory authorities to bring it to market.

However, the drug is not yet approved for general use, and its availability is currently limited to a small number of patients who meet specific criteria. A growing number of patients and advocacy groups are calling for expanded access to the drug, arguing that its potential benefits outweigh the risks of using an unapproved treatment.

The situation has become increasingly complex as media coverage highlights stories of patients who are suffering from the condition and believe that the experimental drug could significantly improve their quality of life. Some patients have petitioned for compassionate use or expanded access to the drug outside of clinical trials.

HealthInnovate Inc. is facing ethical dilemmas regarding how to handle these requests. On one hand, the company wants to ensure that the drug is safe and effective before widespread use. On the other hand, there is a strong moral argument for providing access to patients who are in desperate need of treatment.

(a) Discuss the ethical principles involved.

(b) What criteria should be established to determine which patients receive access to experimental treatments. How can these criteria be applied ethically to avoid favoritism or discrimination? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रस्तुत प्रकरण एक दवा कंपनी के समक्ष उत्पन्न नैतिक प्रतिबाधाओं जैसे कि वस्तुनिष्ठता बनाम जनकल्याण, पारदर्शिता, जवाबदेहिता बनाम रोगियों के उपचार इत्यादि को उत्पन्न करती है।

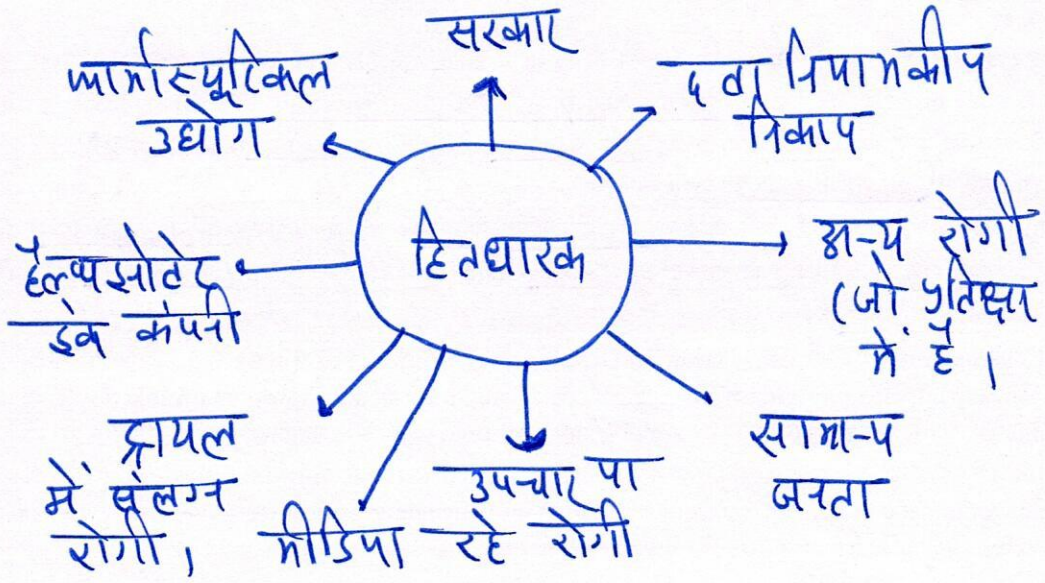

(A) प्रकरण में संलग्न नीतिपरक सिद्धांत-

(1) पारदर्शिता, वस्तुनिष्ठता जैसे मूल्य से समझौते की चिंता।

(2) जनकल्याण का मुद्दा।

(3) ऐसी स्थितियों में ड्रग कंट्रोलर के समक्ष उपस्थित दुविधा।

(4) यदि इस दवा को अनुमति दी जाती है तो यह निगरानीय व्यवस्था, उद्योग में एक गलत उदाहरण बन सकता है।

(5) तीव्र क्लीनिकल ट्राइल संचालित करने के क्रम में गलतियों की संभावना।

(6) बाद में उभरने वाले साइड इफेक्ट की समस्या।

(b) मानदंड जो स्थापित किये जाने चाहिए

(1) छोटे सैंपल साइज पर क्लीनिकल ट्राइल के पर्याप्त वैज्ञानिक निष्कर्षों का अध्ययन।

(2) इस अध्ययन के आधार पर ही यह निर्धारित करना कि दवा को सीमित रूप में उपयोग करना चाहिए की नहीं।

(3) डॉक्टर्स की अनुशंसा तथा पर्याप्त जाँच के बाद ही सीरियस रोगियों की पहचान करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4) मध्य रोगियों को यह आश्वासन देना कि वृद्ध रूप से क्लीनिकल ट्राइल की प्रक्रिया के बाद उन्हें दवा उपलब्ध करवा दी जायेगी।

(5) सीरियस रोगियों को दवा दी जा सकती है। हालांकि इस संदर्भ में जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की ही होनी चाहिए।

इन प्रावधानों को कार्यान्वित करने की प्रक्रिया

---

(1) वस्तुनिष्ठ आंकड़ों, तथ्यों को महत्व देते हुए सीरियस रोगियों का उपचार करना।

(2) बाकी रोगियों को क्लीनिकल ट्राइल के उपरांत दवा उपलब्ध करवाना।

drishti | दृष्टि The Vision

(3) जिन रोगियों को दवा दी गई है उनकी निरंतर निगरानी तथा दवा के प्रभावों का मूल्यांकन करना।

(4) यदि बड़े सैंपल साइज के निष्कर्ष अनुकूल आते हैं तो अन्य रोगियों को भी दवा उपलब्ध करवाना, अन्यथा नहीं।

(5) मीडिया को संयमित रहने का अनुरोध करना।

तर्क
- वस्तुनिष्ठता के मूल्य को वरीयता
- आपद् धर्म (सीरियस रोगियों के संदर्भ में)
- साधन - साध्य पवित्रता
- बुद्ध - मध्यम मार्ग
- अरस्तू का स्वर्णिम माध्य का सिद्धांत

उपरोक्त कार्यप्रणाली से कंपनी अपनी नैतिक दुविधा का समाधान कर सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

10. पूर्वी भारत के एक छोटे से शहर में भयंकर बाढ़ आई है, जिससे व्यापक विनाश हुआ है। शहर की सड़कों, पुल और संचार लाइनों सहित बुनियादी ढाँचे को भारी क्षति पहुँची है। हजारों लोग फँसे हुए हैं और बचाव अभियान की तत्काल आवश्यकता है। स्थिति गंभीर है और तत्काल राहत के लिये सीमित संसाधन उपलब्ध हैं। रवि कुमार, जो ज़िला कलेक्टर हैं, आपदा प्रबंधन प्रयासों के समन्वय के लिये जिम्मेदार हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खाद्य और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सीमित है। रवि को यह तय करना होगा कि इन संसाधनों को किस प्रकार आवंटित किया जाए। बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है और रवि के पास कुछ ही बचाव नौकाएँ हैं। उन्हें तय करना होगा कि सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालने को प्राथमिकता दी जाए, भले ही इसका अर्थ दूसरों को अस्थायी रूप से पीछे छोड़ना हो, अथवा बचाव प्रयासों को पूरे शहर में एकसमान रूप से कार्यान्वित किया जाए, जिससे सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में अधिक लोगों के हताहत होने का जोखिम है। रवि को पता है कि स्थिति बिगड़ रही है तथा अभी और भारी वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है।

(a) रवि की निकासी प्राथमिकता को किन सिद्धांतों से निर्देशित होना चाहिये?
(b) क्या रवि कुमार को स्थिति की गंभीरता के बारे में जनता को पूरी जानकारी दे देनी चाहिये, जबकि उन्हें पता है कि इससे आकस्मिक भय का संचार हो सकता है?
(c) रवि कुमार को प्रभावित आबादी के लिये तत्काल राहत और दीर्घकालिक सुधार दोनों को किस प्रकार सुनिश्चित करना चाहिये? (250 शब्द) 20

A severe flood has hit a small town in Eastern India, causing widespread destruction. The town's infrastructure, including roads, bridges, and communication lines, has been severely damaged. Thousands of people are stranded, and there is an urgent need for rescue operations. The situation is critical, with limited resources available for immediate relief. Ravi Kumar - the District Collector, is responsible for coordinating the disaster management efforts.

There is a limited supply of food and clean drinking water. Ravi must decide how to allocate these resources. The floodwaters are rising rapidly, and Ravi has only a few rescue boats. He must decide whether to prioritize evacuating people from the most affected areas, even if it means leaving others behind temporarily, or to spread the rescue efforts evenly across the town, risking higher casualties in the worst-hit areas. Ravi is aware that the situation is worsening, and more heavy rains are forecasted.

(a) What principles should guide Ravi's evacuation prioritization?
(b) Should Ravi Kumar fully disclose the severity of the situation to the public, knowing it could cause panic?
(c) How should Ravi Kumar ensure both immediate relief and long-term recovery for the affected population? (250 Words) 20

प्रस्तुत प्रकरण आपदाओं के दौरान एक जिला कलेक्टर के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों तथा नैतिक दुविधाओं को दर्शाती है। ऐसे प्रकरण बाढ़, भूस्खलन, उत्तराखंड

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

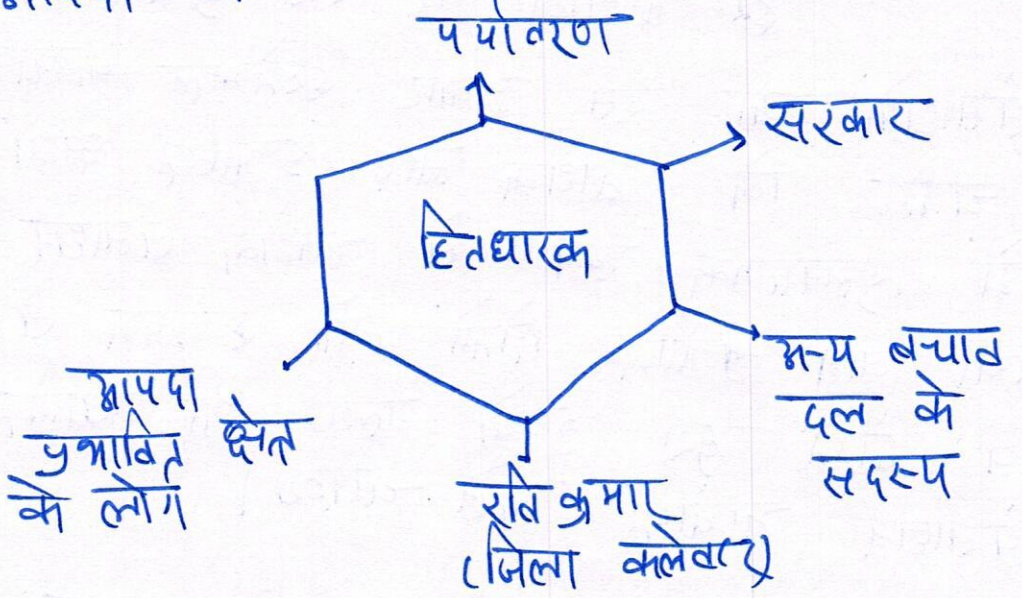

आपदा के दौरान देखे गये हैं,

(9) रवि की निकासी प्राथमिकता निम्नलिखित सिद्धांतों से प्रेरित होनी चाहिए –

(1) अंत्योदय, सर्वोदय की अवधारणा
(2) प्रत्येक जान की अपनी कीमत है।
(3) गीता का निष्काम कर्म,
(4) कांट का कर्तव्य के लिए कर्तव्य
(5) बौद्ध धर्म का कुशल कर्म
(6) गांधी, मंडेला, जैसे व्यक्तियों से प्रेरणा लेना

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन आधारों पर रवि कुमार को संसाधनों का इस प्रकार इस्तेमाल करना चाहिए कि अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से अधिक संसाधन तथा कम प्रभावित क्षेत्रों को एकदम से न छोड़ते हुए उनके लिए भी सीमित संसाधन आवंटित करने चाहिए।

(b) रवि को स्थिति की गंभीरता स्पष्ट रूप में तो नहीं बतानी चाहिए लेकिन तथ्यों, तर्कों, भावनात्मक अभिव्यक्ति तथा अनुनय का प्रयोग करके लोगों को गंभीरता की जानकारी देनी चाहिए, रवि द्वारा निम्न प्रकार से जानकारी दी जा सकती है -

(1) मौसम विभाग के आंकड़े स्पष्ट को पूर्वानुमान संबंधित

(2) हर स्थिति में प्रशासन द्वारा सहयोग की बात करना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) धैर्य बनाये रखने की अपील करना।
(4) स्वयं की तथा जान माल की सुरक्षा हेतु अपील करना।
(5) स्वयं को लगातार जनता के साथ तथा कर्मचारियों के साथ संलग्न रहना।

यदि इस तरह से सूचना दें तो आकस्मिक भय का संचार नहीं होगा।

(C) तत्काल राहत संबंधी उपाय -

(1) वस्तुनिष्ठ तरीकों से नौका, आपदारोधी संसाधन, कर्मचारियों का आवंटन करना।
(2) स्वयं निरंतर जनता तथा सुरक्षा बलों की हौसलाअफजाई करना।
(3) भोजन, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाओं की त्वरित पहुँच सुनिश्चित करना।
(4) सरकारी स्कूलों, अस्पतालों का उपयोग सुरक्षित आश्रय हेतु किया जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

(5) नियंत्र बाढ़ संबंधी पूर्वानुमानों की सूचना जनता को देते रहना।

दीर्घकालिक सुधार →

(1) नदी के किनारे तटबंधों का निर्माण।
(2) सुरक्षित आवासस्थलों का निर्माण करना।
(3) आधारभूत अवसंरचना का उन्नयन करना।
(4) पूर्वानुमान प्रणाली को बेहतर करना।
(5) जनता तथा SDRF के दलों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
(6) नदी के जल संबंधी सूचना हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोग स्थापित करना।
(7) नदी जोड़ो परियोजना को बढ़ावा देकर अतिरिक्त जल को डायवर्ट करना।

इन हस्तक्षेपों से बाढ़ से तात्कालिक तथा दीर्घकालिक रूप से रक्षा की जा सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

11. गंगानगर शहर में एक सुबह अर्जुन पटेल जब काम पर जा रहे थे तो उन्हें अचानक एक आवारा कुत्ते ने काट लिया। इस दुबले-पतले और गंदले कुत्ते ने पीछे से उन पर हमला किया, जिससे अर्जुन लड़खड़ाकर गिर पड़े। जख्म मामूली ही था, परंतु अर्जुन सहम गए और उन्हें संक्रमण की चिंता हुई। वह तुरंत स्थानीय रुग्णालय में गए, जहाँ उनका उपचार किया गया और उन्हें सलाह दी गई कि घटना की सूचना संबंधित प्राधिकारों को दें।

अर्जुन को आवारा कुत्ते द्वारा काटने की खबर समुदाय में तेज़ी से फैल गई। स्थानीय निवासी चिंतित हुए और उन्होंने आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को संबोधित करने के लिये तत्काल कार्रवाई की मांग की। उस शाम टाउन हॉल में आयोजित बैठक का वातावरण तनावपूर्ण था। अर्जुन ने अपनी चिंता व्यक्त की और जोर देकर कहा कि आवारा कुत्ते सार्वजनिक सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा बन गए हैं। शोर-शराबे के बीच, प्रसिद्ध पशु चिकित्सक डॉ. नेहा गुप्ता और पशु अधिकार कार्यकर्ता अनीता राव प्रेस कॉन्फ्रेंस की तैयारी कर रही थीं। डॉ. गुप्ता वर्षों से आवारा पशुओं पर काम करती रही हैं और जानती हैं कि भोजन एवं चिकित्सा देखभाल की कमी के कारण कई पशु पीड़ित हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस मुद्दे को संबोधित करने के लिये अधिक मानवीय दृष्टिकोण आवश्यक है। पशु कल्याण की उत्साही पैरोकार अनीता राव ने इस दृष्टिकोण का समर्थन किया एवं कुत्तों के यूथनेशिया की तुलना में उनकी नसबंदी करने और उन्हें पालने के कार्यक्रमों के महत्त्व पर बल दिया।

समुदाय और पशु कल्याण समूहों की ओर से बढ़ते दबाव का सामना कर रहे मेयर राजेश मेहता ने स्थिति पर चर्चा करने के लिये एक आपातकालीन बैठक आहूत की। उन्होंने स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में अर्जुन की चिंताओं, पशुओं के कल्याण के बारे में डॉ. गुप्ता की चेतावनियों और मानवीय व्यवहार पर अनीता राव की पैरोकारी को ध्यान से सुना।

(a) मेयर के समक्ष कौन-सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(b) केस स्टडी में प्रस्तुत सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं और पशु कल्याण हितों के बीच संघर्ष का विश्लेषण कीजिये। इस तरह के संघर्षों को नैतिक रूप से किस तरह से हल किया जाना चाहिये, जिसमें शामिल सभी पक्षों के हित को ध्यान में रखा जाए?

(c) मेयर की निर्णय लेने की प्रक्रिया में कौन-से नीतिपरक सिद्धांत मार्गदर्शक होंगे? यह उनके नेतृत्व पर किस तरह से प्रतिबिंबित होगा? (250 शब्द) 20

On a brisk morning in the city of Ganganagar when Arjun Patel, on his way to work, was suddenly bitten by a stray dog. The dog, thin and disheveled, had lunged at him from behind, causing Arjun to stumble and fall. The bite was minor but left Arjun shaken and concerned about possible infections. He rushed to the local clinic, where he received treatment and was advised to report the incident to the authorities.

News of Arjun's bite quickly spread through the community. Local residents were alarmed and demanded immediate action to address the rising number of stray dogs. In a town hall meeting that evening, the atmosphere was tense. Arjun voiced his concerns, insisting that the stray dogs posed a significant risk to public safety. In the midst of the uproar, Dr. Neha Gupta, a well-known veterinarian, and Anita Rao, an animal rights activist, were preparing for a press conference. Dr. Gupta had been working with stray animals for years and knew that many were suffering due to lack of food and medical care. She argued that a more humane approach was necessary to address the issue. Anita Rao, a passionate advocate for animal welfare, supported this view, emphasizing the importance of sterilization and adoption programs over euthanasia.

Mayor Rajesh Mehta, facing mounting pressure from the community and animal welfare groups, held an emergency meeting to discuss the situation. He listened carefully to Arjun's concerns about health risks, Dr. Gupta's warnings about the well-being of the animals, and Anita Rao's advocacy for humane treatment.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) What are the ethical dilemmas faced by the mayor?
(b) Analyze the conflict between public health concerns and animal welfare interests as presented in the case study. How should such conflicts be ethically resolved in a way that considers the welfare of all parties involved?
(c) What ethical principles guide the mayor's decision-making process? How does this reflect on his leadership? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रस्तुत प्रकरण मानव-पशु संघर्ष से उत्पन्न नैतिक दुविधा से संबंधित है, जिसका समाधान मेयर राजेश मेहता को करना है।

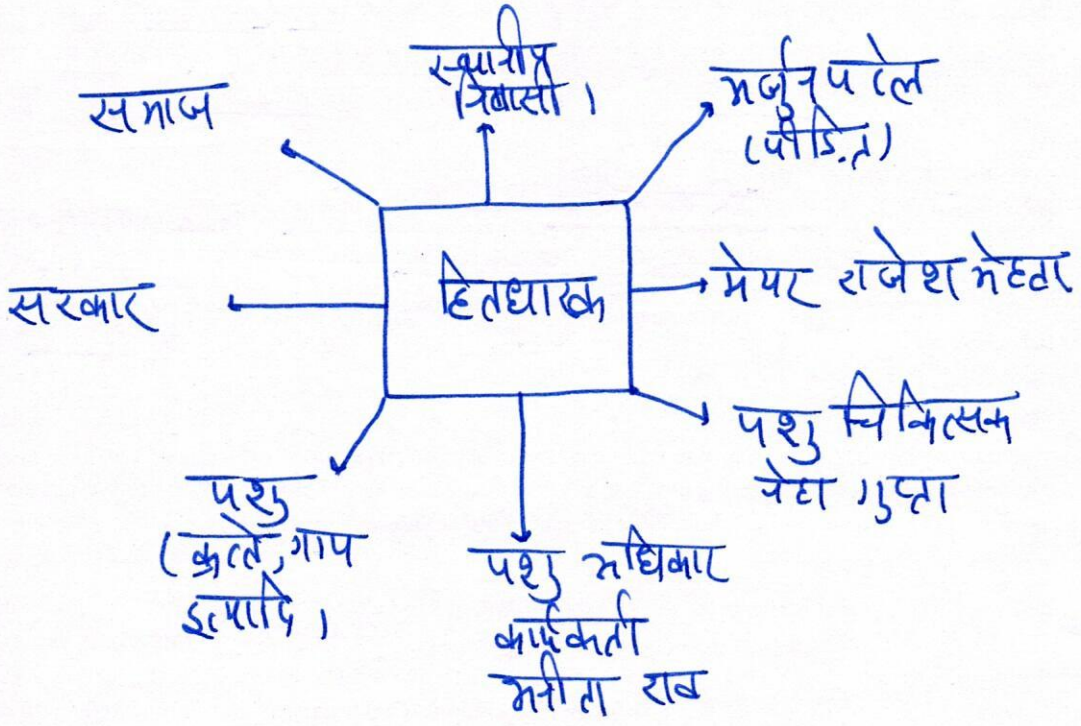

(a) मेयर के समक्ष उत्पन्न नैतिक दुविधाएँ-

drishti | दृष्टि The Vision

(1) पशु कल्याण बनाम मानव कल्याण

(2) अर्जुन पटेल के तर्क बनाम नेहा गुप्ता तथा अनीता राव के तर्क।

(3) पशुओं के प्रति दंडात्मक तथा क्रूर रवैया अपनाएं या मानवीय रुख अपनाएं।

(4) बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा

(5) मानव- पशु सह अस्तित्व का मुद्दा।

(6) पशुओं के प्रति घृणित आकृति की समस्या।

(7) पशुओं के कल्याण जैसे कि टीकाकरण, उपचार इत्यादि का मुद्दा।

(8) पशुओं के पुनर्वास का मुद्दा।

(b) प्रकरण में शामिल सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं तथा पशु कल्याण के बीच संघर्ष

(1) यथातथ्य है कि प्रकरण में इस

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बिंदु पर नैतिक संघर्ष दिखाई देता है कि मेयर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बल देते हुए पशुओं को स्थान से हटाने या पशु स्वास्थ्य की चिंताओं का समाधान करते हुए जनता की अभिवृत्तियों को परिवर्तित करने का प्रयास करे।

समाधान →

(1) सभी हितधारकों की चिंताओं को सुनना।

(2) पशुओं के लिए टीकाकरण, उपचार की व्यवस्था के साथ उनका पुनर्वास करना।

(3) पशुओं के लिए बेंगलुरु की तरह 'dog Hostel' का निर्माण करना।

(4) समाज की स्वास्थ्य आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना।

(5) पशुओं के प्रति मानवीय रवैये को बढ़ावा।

drishti | दृष्टि The Vision

(6) एक ऐसे स्वस्थ परिवेश को बढ़ावा जहाँ मानव-पशु संघर्ष नहीं सहअस्तित्व हो।

(7) पशु ~~[illegible]~~ कल्याण अधि० 1960 का प्रभावी क्रियान्वयन।

इस तरह दोनो पक्षों की चिंताओं का निराकरण किया जा सकता है।

(c) मेयर के मार्गदर्शक सिद्धांत -

(1) पर्यावरण केंद्रिकता न कि मानव केंद्रिकता।
(2) गांधी जी के विचार - अहिंसा, परोपकार
(3) पशु क्रूरता अधि० 1960.
(4) मानव पशु सहअस्तित्व का सिद्धांत
(5) संवि का अनुच्छेद 48।
(6) अरस्तू का स्वर्णिम माध्य का सिद्धांत
(7) स्यादवाद से प्रेरित होकर सभी हितधारकों से बातचीत करना।

इन सिद्धांतों से संचालित होकर मेयर एक ऐसे परिवेश का निर्माण कर सकते हैं जहाँ मानव-पशु सहअस्तित्व हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

12. सरकार ने 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' (PMGSY) की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य दूरदराज़ के गाँवों में सभी मौसमों के लिये अनुकूल सड़कें बनाकर ग्रामीण अवसंरचना में सुधार करना है। इस पहल का उद्देश्य अलग-थलग पड़े समुदायों को आवश्यक सेवाओं और बाज़ारों से जोड़ना था, ताकि आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

सुदूरवर्ती सूर्यविला गाँव में स्थानीय प्रशासन को गाँव को पास के शहर से जोड़ने वाली एक महत्त्वपूर्ण सड़क के निर्माण के लिये PMGSY के तहत एक महत्त्वपूर्ण आवंटन प्राप्त हुआ। यह संविदा एक स्थानीय ठेकेदार श्री विक्रम जोशी को प्रदान की गई, जो विश्वासपात्र होने की प्रतिष्ठा रखते थे।

इस परियोजना की लागत 60 लाख रुपए थी और यह धनराशि उच्च गुणवत्तायुक्त सामग्री, कुशल श्रम और कुशल परियोजना प्रबंधन के लिये निर्धारित की गई थी। अपने उत्साही मुखिया श्री रमेश वर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उत्सुकता से इस निर्माण कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा की, जहाँ उन्हें उम्मीद थी कि इससे बाज़ार, स्कूल और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी अभिगम्यता में सुधार होगा।

जैसे ही कार्य शुरू हुआ, श्री जोशी ने पाया कि किसी सख्त निगरानी की कमी है और इसे उन्होंने व्यक्तिगत लाभ के लिये एक अवसर के रूप में देखा। उन्होंने घटिया सामग्री का उपयोग कर और आवश्यकता से कम श्रमिकों को काम पर रखकर लागत को कम करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने चालान में सामग्री एवं श्रम की लागत बढ़ाकर दिखाने के लिये जाली दस्तावेज़ भी तैयार कर लिये।

सड़क निर्माण वरदान बनने के बजाय अभिशाप बन गया। घटिया सामग्री के कारण खराब तरीके से बनी सड़क जल्दी ही टूट-फूट गई और कुछ ही माहों में उसमें गड्ढे हो गए। बेहतर संपर्क की उम्मीद कर रहे ग्रामीणों को परिवहन संबंधी और भी अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। श्री जोशी के कार्यों के कारण मरम्मत एवं रखरखाव में देरी ने उनके अलगाव को और बढ़ा दिया।

एक स्थानीय स्कूल शिक्षिका, जो इस परियोजना पर बारीकी से नज़र रख रही थीं, ने कार्य की गुणवत्ता और परियोजना की समयसीमा में विसंगतियों को नोटिस करना शुरू किया। उन्होंने अपनी चिंताओं को श्री वर्मा के समक्ष प्रकट किया, जिन्होंने फिर ज़िला के अधिकारियों से संपर्क किया। जाँच में पता चला कि श्री जोशी ने धन के एक बड़े हिस्से का गबन कर लिया था। ठेकेदार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया तथा सड़क निर्माण में सुधार करने और गलत तरीके से इस्तेमाल की गई धनराशि को वापस वसूलने के प्रयास किये गए। समुदाय के सदस्यों और स्वतंत्र लेखा परीक्षकों को शामिल कर सामाजिक लेखापरीक्षा किये जाने से परियोजना की नियमित निगरानी हो सकती थी।

(a) सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार रोकने में सामाजिक लेखापरीक्षा क्या भूमिका निभा सकती है?

(b) सार्वजनिक कल्याण पर लक्षित सरकारी परियोजनाओं को कार्यान्वित करते समय एक ठेकेदार की क्या नीतिपरक ज़िम्मेदारियाँ होती हैं? (250 शब्द) 20

The government launched the "Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana" (PMGSY), a scheme aimed at improving rural infrastructure by constructing all-weather roads in remote villages. The initiative was intended to connect isolated communities to essential services and markets, thereby fostering economic development.

In the remote village of Suryavilla, the local administration received a significant allocation under PMGSY to build a crucial road linking the village to the nearby town. The contract was awarded to a local contractor, Mr. Vikram Joshi, who had a reputation for being reliable.

The project was valued at ₹60 lakh, and the funds were earmarked for high-quality materials, skilled labor, and efficient project management. The villagers, led by their enthusiastic headman, Mr. Ramesh Verma, eagerly anticipated the construction, hoping it would improve their access to markets, schools, and healthcare.

As work began, Mr. Joshi noticed the lack of strict oversight and saw an opportunity for personal gain. He decided to cut costs by using substandard materials and hiring fewer workers than required. He forged documents to inflate the cost of materials and labor in his invoices.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

The road construction, instead of being a boon, became a bane. The substandard materials resulted in a poorly constructed road that quickly deteriorated, with potholes forming after just a few months. The villagers, who had hoped for better connectivity, found themselves facing more transportation problems. The delay in repairs and maintenance caused by Mr. Joshi's actions exacerbated their isolation.

A local schoolteacher who had been following the project closely, began to notice discrepancies in the quality of work and the project timeline. She brought her concerns to Mr. Verma, who then approached the district authorities. An investigation revealed that Mr. Joshi had embezzled a substantial portion of the funds. The contractor was charged with corruption, and efforts were made to rectify the roadwork and recover the misappropriated funds. A social audit, conducted by involving community members and independent auditors, could have provided regular oversight of the project.

(a) What role can social audits play in ensuring transparency and preventing corruption in government schemes?

(b) What ethical responsibilities does a contractor have when executing government projects intended for public welfare? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

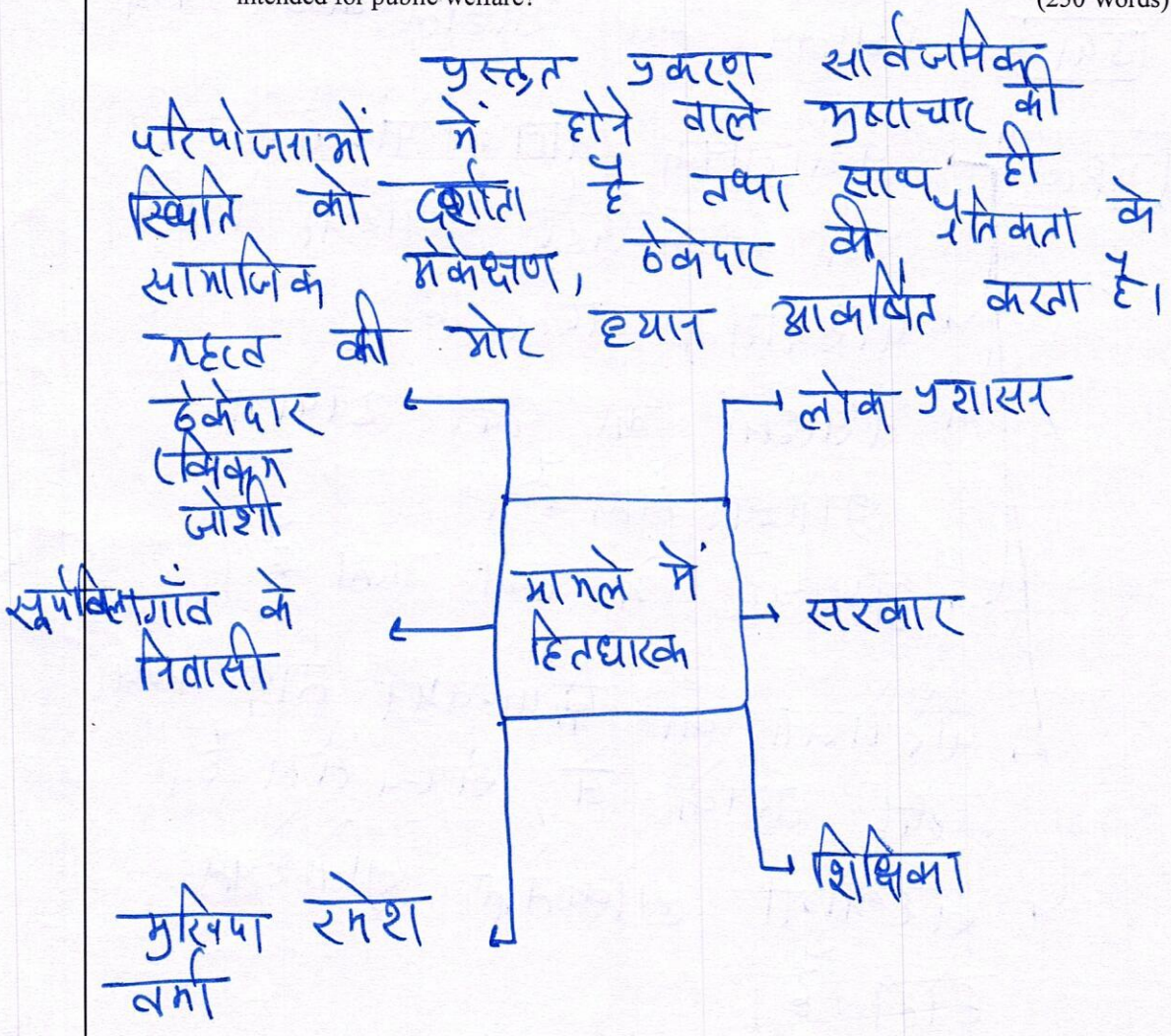

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(v) भ्रष्टाचार को रोकने में सामाजिक लेखापरीक्षा की भूमिका -

सामाजिक लेखापरीक्षा एक लोकतांत्रिक उपकरण है जिसके तहत जनता स्वयं सार्वजनिक परियोजना की प्रगति की निगरानी करती है।

उदाहरण - मेघालय का सोशल ऑडिट कानून।

महत्व
- प्रशासनिक अधिकारियों, ठेकेदारों की जवाबदेही सुनिश्चित होती है।
- पारदर्शिता बढ़ती है।
- संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित होता है।
- भ्रष्टाचार में कमी आती है।
- परियोजना का क्रियान्वयन ठीक तथा सही तरीके से संपन्न होता है।
- सहभागी लोकतंत्र सुनिश्चित होता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस तरह यह स्पष्ट है कि सामाजिक अंकेक्षण एक प्रभावी उपकरण है जो बॉटम अप एप्रोच से भ्रष्टाचार को रोक सकता है

भारत में सोशल ऑडिट की समस्या

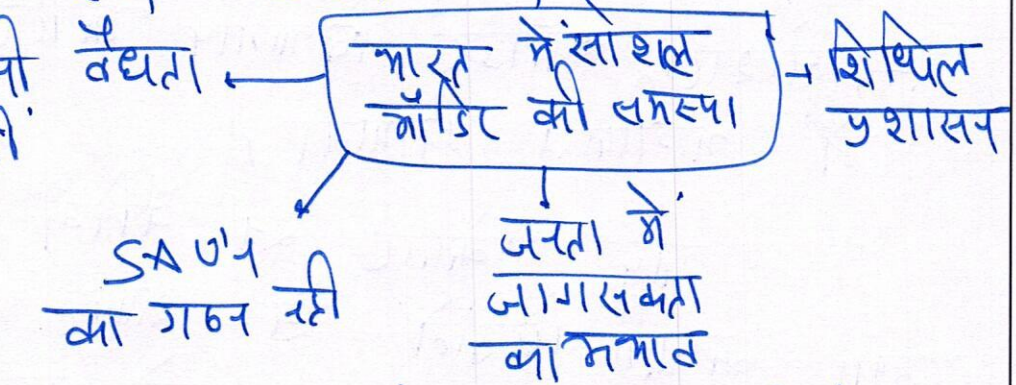

- कानूनी वैधता नहीं
- शिथिल प्रशासन
- SAU's का गठन नहीं
- जनता में जागरूकता का अभाव

(b) ठेकेदार की नीतिपरक जिम्मेदारियां

(1) संसाधनों का दक्ष तथा कुशल उपयोग करना।

(2) जनहित तथा स्व हित में एक संतुलन स्थापित करना।

(3) निर्माण प्रक्रिया में प्रभावी गुणवत्ता को समायोजित करना।

(4) सत्यनिष्ठ समझौता पर बल देना।

(5) तमाम कानूनी प्रक्रियाओं, नियमों,

drishti | दृष्टि The Vision

विनियमों इत्यादि का पालन करना।

(6) स्थानीय जनता की समस्या सुनना तथा उनका निराकरण।

(7) सोशल ऑडिट, विभागीय ऑडिट में भागीदारी निभाना।

यदि ठेकेदार इन नैतिक तथा कानूनी सिद्धांतों से शासित हों तो सार्वजनिक भ्रष्टाचार को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।

अन्य हस्तक्षेप → परियोजना की प्रभावी निगरानी
→ जियो टैगिंग का उपयोग,
→ SAO's का गठन करना।
→ तकनीक का प्रभावी उपयोग इत्यादि।
→ सत्यनिष्ठा समझौते का पालन

इस प्रकार कार्य में सार्वजनिक परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)